



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण

दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ

प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-294 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में

उरई (जालौन) मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

youngbharatepaper.com

औरंगजेब ने पिता शाहजहां को पानी तक के लिए तरसा दिया था’, सीएम योगी आदित्यनाथ ने समझाई सनातन धर्म की ताकत



(यंग भारत न्यूज़)
लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पितृ पक्ष को केवल पूर्वजों के स्मरण और तर्पण तक सीमित न रखते हुए उनके त्याग, परिश्रम और संस्कारों से मिली विरासत को अपने आचरण में उतारने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता अपने उत्तरदायित्व को समझने का संस्कार भी है। आने वाली पीढ़ियों को समृद्ध विरासत सौंपना हमारा धर्म है और इसी भावना से परिवार, समाज तथा राष्ट्र को नई ऊर्जा मिलती है।
सीएम योगी ने इतिहास में वर्णित



आगरा किले के एक प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अपने पुत्र नहीं, बल्कि अतीत से वर्तमान और पानी के लिए व्यग्र होकर उसे पत्र लिखा था। शाहजहां ने पत्र में सनातन परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें दिवंगत पूर्वजों को भी जल अर्पित किए जाने की बात कही जाती है। यह प्रसंग बताता है कि पूर्वजों के प्रति श्रद्धा हमारी सनातन जीवन पद्धति में कितनी गहराई से रची-बसी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के नाम अपने संदेश में

उत्तरदायित्व को समझने का संस्कार भी है। हमसे पहले की पीढ़ियों ने हमें जो दिया, उसे संरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों को उससे अधिक समृद्ध विरासत सौंपना हमारा धर्म है। सतत विकास की यही भावना परिवार को पिरोती है, समाज को अपनी जड़ों से जोड़ती है तथा प्रदेश और राष्ट्र को नई ऊर्जा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि इस विरासत को केवल स्मरण तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने आचरण में उतारें।
परिवार के बुजुर्गों का सम्मान करें, बच्चों को अपने संस्कारों से परिचित कराएं तथा ज्ञान, सेवा और सदाचार की उस परंपरा को आगे बढ़ाएं, जो पीढ़ियों को जोड़ती है और भविष्य को दिशा देती है। उन्होंने कहा कि पूर्वजों से मिली अभिव्यक्ति का अवसर है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा (27 सितंबर) से प्रारंभ हुआ यह पवित्र पक्ष आश्विन कृष्ण अमावस्या यानी सर्वपितृ अमावस्या (10 अक्टूबर) के साथ पूर्ण होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और अपने

यूपी में राज्यसभा का मुकाबला हुआ दिलचस्प, समाजवादी पार्टी उतारेगी तीसरा उम्मीदवार

(यंग भारत न्यूज़)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की सियासत में राज्यसभा चुनाव को लेकर अचानक हलचल बहुत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी मंगलवार यानी 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे अपने तीसरे उम्मीदवार का पर्चा दाखिल कराने जा रही है। हालांकि पार्टी ने अभी तक इस तीसरे उम्मीदवार के नाम का कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। सपा के वरिष्ठ नेता और विधायक रविदास मेहरोत्रा ने बताया कि विधायकों से प्रस्तावक फॉर्म पर दस्तखत करवा लिए गए हैं।

मुकाबले की तस्वीर हुई पूरी तरह साफ: पार्टी अपने इस तीसरे प्रत्याशी का नाम सबसे आगे चल रहा है। इस दौरान नामांकन विधानसभा में सुबह ठीक 11 बजे जमा करेगी। तीसरे प्रत्याशी के मैदान में आने से अब यह चुनाव काफी दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी पहले ही अपने 8 राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची जारी कर मैदान संभाल चुकी है। वहीं समाजवादी पार्टी की तरफ से प्रोफेसर रामगोपाल यादव



लिए हैं। पहले दोनों प्रत्याशियों के पर्चा भरने के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद विधानसभा में मौजूद थे। लेकिन तीसरे उम्मीदवार के नामांकन के वक्त अखिलेश यादव मौजूद रहेंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है। चर्चा है कि अखिलेश यादव मंगलवार को दिल्ली जा सकते हैं, इसलिए पार्टी के अन्य बड़े नेता ही वहां मौजूद रहेंगे। वोटिंग तय और गणित का कड़ा इम्तिहान: तीसरे प्रत्याशी के मैदान में उतरते ही अब राज्यसभा चुनाव में वोटिंग होना पूरी तरह तय हो चुका है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि सपा अपने इस तीसरे उम्मीदवार को जिताने के लिए जरूरी नंबर गेम कहां से जुटाएगी। क्या सपा अपने तीसरे प्रत्याशी को जिता पाएगी, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल उम्मीदवार के नाम को लेकर बना सस्पेंस उत्तर प्रदेश की राजनीति में जबरदस्त रोमांच पैदा कर रहा है।

सपा से दोस्ती और आजम खान पर नजर, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का नया दांव!

(यंग भारत न्यूज़)
प्रदेश विधानसभा चुनाव होने में अभी वक्त है पर सूबे के सियासी शतरंज की चाल काफी तेज होती नजर आ रही है। चुनाव से पहले प्रदेश में सियासी बिसात पर मोहरों को फिट करने की भी कोशिश की जा रही है। वहीं रविवार को एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने प्रदेश की सियासी गलियारों में एक नई सुगबुगाहट पैदा कर दी है। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) के अध्यक्ष और यूपी सरकार के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य रविवार को रामपुर पहुंचे। उनके रामपुर पहुंचने की वजह काफी खास थी, जिसके कारण कई तरह के कयास भी लगाए जाने लगे। बता दें कि, रविवार को राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी



गठबंधन को लेकर कांग्रेस की तरफ से अब तक कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामपुर में आजम खान के

प्रदेश सरकार पर बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आजम खां के खिलाफ जिस तरह की कार्रवाई की जा रही है, उसका लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। वहीं राहुल गांधी से हालिया मुलाकात के सवाल से स्वामी प्रसाद मौर्य बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि, उनकी रामपुर यात्रा पूरी तरह शिष्टाचार और परिवार का हालचाल जानने के लिए थी। बता दें कि, अक्टूबर 2023 में आजम खान जब जेल से बाहर आए रहे थे तो उन्होंने मीडिया से बात करते हुए एक शेर पढ़ा था। जेल में रहते हुए आपने क्या महसूस किया? ... इस सवाल पर आजम खान ने मीडिया के सामने ये शेर पढ़ा था। उन्होंने कहा था, 'पत्ता-पत्ता से मुलाकात के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने

के फेमस गाने और मीर के इस गजल की अगली लाइन, 'जाने न जाने गुल ही न जाने, बाग तो सारा जाने है।' इस शेर को आजम खान और अखिलेश यादव के रिश्तों को जोड़ कर देखा जा रहा था। देश के सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में आजम खान की गिनती कद्दावर नेताओं में होती रही है। आजम खान समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं। लोग उन्हें मुलायम सिंह यादव के बाद सपा के दूसरे नंबर का नेता मानते थे। लेकिन अखिलेश यादव के पार्टी का मुखिया बनने के बाद आजम खान और उनके रिश्तों में काफी उथल पुथल का भी दौर देखने को मिला। दोनों नेताओं के बीच ये तल्लखियां 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान काफी

देखने को मिला। जेल में बंद आजम खान ने चिट्ठी भेज कर अपनी नाराजगी भी साफ कर दी थी। अखिलेश यादव ने जेल में बंद आजम खान की इच्छा के विपरीत जाकर 2024 के लोकसभा चुनाव में रामपुर से मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी को प्रत्याशी बनाया था। बता दें कि, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी लगभग 20 प्रतिशत है। यही कारण है कि, भाजपा के अलावा सभी राजनीतिक दल आजम खान नेता की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखते हैं। आजम खान और उनके परिवार का रामपुर में अच्छा प्रभाव भी है। सपा से खराब होते रिश्तों को बीच आजम खान पर अगर कांग्रेस को दांव खेलना है तो शायद वो इसके लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

बीजेपी का बड़ा दांव, 8 चेहरों से साधा जातीय समीकरण! 3 ओबीसी, 2 एससी और 3 जनरल नामों ने बढ़ाई सियासी हलचल

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज़)

प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को यूपी से राज्यसभा चुनाव के लिए अपने 8 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया। सूची में सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का संतुलन दिखाई देता है। बीजेपी के आठ उम्मीदवारों में 3 ओबीसी, 2 एससी और 3 सामान्य वर्ग के चेहरे शामिल हैं। वहीं, दो महिलाओं को भी उम्मीदवार बनाया गया है।
बीजेपी की ओर से घोषित उम्मीदवारों में धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार शामिल हैं। सूची में अलग-अलग सामाजिक वर्गों के साथ संगठन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को भी जगह मिली है। ओबीसी वर्ग से धर्मपाल सिंह, प्रकाश पाल और श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया गया है। धर्मपाल सिंह लोधी समुदाय से आते हैं और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। प्रकाश पाल बीजेपी संगठन में सक्रिय हैं। श्रुति गंगवार पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार की बेटी हैं। एससी वर्ग से विद्यासागर सोनकर और प्रियंका सिंह रावत को मौका मिला



है। वहीं सामान्य वर्ग के तीन चेहरों में राधाकांत ओझा और गोपी कृष्ण पांडेय ब्राह्मण, जबकि राम प्रताप सिंह चौहान राजपूत समुदाय से आते हैं। बीजेपी की सूची में ओबीसी प्रतिनिधित्व को अलग-अलग समुदायों के जरिए जगह दी गई है। धर्मपाल सिंह लोधी, प्रकाश पाल और श्रुति गंगवार को ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के तौर पर बताया गया है। इससे सूची में सामाजिक प्रतिनिधित्व का दायरा एक ही ओबीसी समुदाय तक सीमित नहीं रहता। हालांकि उम्मीदवारों की सामाजिक पहचान को लेकर विभिन्न रिपोर्टों में वर्गीकरण की भाषा अलग-अलग है, लेकिन

प्रमुख रिपोर्टों में सूची का व्यापक गणित 3 ओबीसी, 2 एससी और 3 सामान्य वर्ग के रूप में सामने आया है। बीजेपी को इस सूची में सबसे ज्यादा चर्चा उन नामों की भी है, जिन्हें दोबारा मौका नहीं मिला। यूपी से मौजूदा राज्यसभा सांसद और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा बीएल वर्मा इस बार उम्मीदवारों की सूची में नहीं हैं। इसके अलावा स्मृति ईरानी और कुमार विश्वास जैसे नाम भी अंतिम सूची में जगह नहीं बना सके। चुनाव से पहले इन नामों को लेकर चर्चा जरूर थी, लेकिन पार्टी की घोषित सूची में इनकी जगह नहीं बनी। बीजेपी की आठ सदस्यीय सूची में प्रियंका सिंह रावत और श्रुति गंगवार दो महिला चेहरे हैं। प्रियंका सिंह रावत अवध क्षेत्र से जुड़ी बीजेपी नेता और पूर्व सांसद हैं, जबकि श्रुति गंगवार पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार की बेटी हैं। इस सूची में संगठन से जुड़े चेहरों को भी महत्व दिया गया है। राम प्रताप सिंह चौहान बीजेपी के संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। वहीं प्रकाश पाल भी पार्टी संगठन से जुड़े हुए हैं। धर्मपाल सिंह भी संगठन में जिम्मेदारी निभा चुके हैं और फिलहाल यूपी सरकार में मंत्री हैं। यूपी में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राज्यसभा के लिए उम्मीदवारों की सामाजिक और क्षेत्रीय पृष्ठभूमि को राजनीतिक नजरिये से देखा जा रहा है। दृढ़सद्बुद्धि ञ्जसद्बुद्ध 4 ने भी बीजेपी की सूची में

ओबीसी, दलित, ब्राह्मण, महिला और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के संयोजन को 2027 की व्यापक सामाजिक रणनीति के संदर्भ में विश्लेषित किया है। हालांकि उम्मीदवार चयन को लेकर पार्टी की ओर से यह नहीं कहा गया है कि यह सूची सीधे 2027 के चुनावी समीकरण के लिए बनाई गई है। यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर 16 अक्टूबर 2026 को चुनाव होना है। बीजेपी ने आठ उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि समाजवादी पार्टी ने दो नाम घोषित किए हैं। यदि अतिरिक्त उम्मीदवार मैदान में नहीं आता है, तो मुकाबले की तस्वीर अलग हो सकती है।
बीजेपी की 8 सदस्यीय सूची एक नजर में
धर्मपाल सिंह – ओबीसी, लोधी
प्रकाश पाल – ओबीसी, पाल
श्रुति गंगवार – ओबीसी
विद्यासागर सोनकर – एससी
प्रियंका सिंह रावत – एससी
राधाकांत ओझा – सामान्य वर्ग, ब्राह्मण
गोपी कृष्ण पांडेय – सामान्य वर्ग, ब्राह्मण
राम प्रताप सिंह चौहान – सामान्य वर्ग, राजपूत
इस तरह 8 नामों में 3 ओबीसी + 2 एससी + 3 सामान्य वर्ग का सामाजिक समीकरण सामने आया है।

श्रीराम प्राकट्योत्सव के साथ रामलीला महोत्सव का हुआ शुभारंभ

प्रभु श्रीराम का जन्म होते ही जमकर चली आतिशवाजी

(यंग भारत न्यूज)
कोंच कोंच की सत्रह दशक पुरानी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत विश्व प्रसिद्ध रामलीला के 174 वें महोत्सव का सोमवार को श्रीराम प्राकट्योत्सव के साथ शुभारंभ हो गया। रामलीला भवन पर मध्याह्न ठीक 12 बजे मुख्य नक्षत्र में प्रभु श्रीराम व उनके अनुजों भरत, लक्ष्मण व शत्रुघ्न के सजीव श्रीविग्रहों का वैदिक मंत्रोच्चार और हवन पूजन के बीच प्राकट्य हुआ। भगवान के अवतीर्ण होते ही बैँड बाजे बजने लगे और भवन पर उपस्थित लोगों ने ‘भए प्रकट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी’ गाकर स्तवन किया। इस अनुष्ठानिक कार्यक्रम में होता की भूमिका का निर्वहन रामलीला के अधिष्ठाता विहारीलाल गौड़ के वंशज अतुल चतुर्वेदी के पुत्र नमन चतुर्वेदी ने किया।नगर के अधिकांश विद्वान ब्राह्मणों ने समवेत स्वर में मंत्रोच्चार किए। प्रभु के प्राकट्य की सूचना



नगरवासियों को गोले दाग कर दी गई जिसके बाद चारों भाइयों की इस अनुपम झांकी का दर्शन करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। गल्ला व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित सत्रह दशक पुरानी कोंच की ऐतिहासिक एवं विश्व प्रसिद्ध अनुष्ठानी रामलीला के वर्तमान महोत्सव का सोमवार को श्रीराम प्राकट्योत्सव के साथ विधिवत श्रीगणेश हो गया। रामलीला समिति के तत्वाधान में आयोजित रामलीला महोत्सव को लेकर आश्विन कृष्ण एकादशी सोमवार को पुष्य नक्षत्र में प्रभु श्रीराम और उनके अनुजों भरत लक्ष्मण व शत्रुघ्न का प्राकट्योत्सव

कराने के लिए नगर भर के विद्वान ब्राह्मण रामलीला भवन पर जुटे थे। रंगमंच आचार्य पं. रमेशचंद्र पटैरिया के प्रधान आचार्यत्व में संतोष त्रिपाठी, रूपेश शास्त्री,रामसिया,गोविंद शरण मिश्रा,राघवेंद्र तिवारी चमेड़,कमलेश दुवे आदि ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन पूजन कराया। तत्पश्चात मध्याह्न में चारों भाइयों के सजीव श्रीविग्रहों का प्राकट्य कराया गया। भगवान का अवतरण होते ही बैँड बाजे बजने लगे और गोले दागे गए। इस दौरान धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता भोले , मंत्री विनोद दुवे लौना, कोषाध्यक्ष मुकेश सोनी, रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल बोबो पचीपुरा वाले, मंत्री शैलेश सोनी, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश मुखिया,सह कोषाध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी,सहमंत्री लालजी कुशवाह अभिनय विभाग के अध्यक्ष पुरुषोत्तम रिछारिया, मंत्री सुधीर सोनी, संतोष तिवारी, राकेश अग्रवाल,

नंदराम स्वर्णकार,अभिषेक रिछारिया, रामकुमार अग्रवाल, पवन अग्रवाल, रामबिहारी सोहाने, रामसहाय सेठ,डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब अध्यक्ष अंजनी श्रीवास्तव, शुभम तिवारी,विवेक द्विवेदी, जयप्रकाश रावत,तरुण निरंजन, राहुल राठौर, राजकुमार अग्रवाल बबलू, रामबाबू राठी, छुन्ना धनौरा, अरविंद मिश्रा, मारुतिनंदन लाक्षकार, शिवकुमार गुप्ता, सूरज शर्मा, प्रमोद सोनी, राहुल बाबू अग्रवाल,विधायक पुत्र आशू निरंजन, पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री अंजू सिंह गौरी चबोर, विकास पटेल धनौरा,बासपा प्रभारी आशीष पांडेय, अजय अग्रवाल अज्जू,अमित यादव सभासद,प्रधव मिश्रा,ऊज्वल तिवारी,विजल अग्रवाल, हरिशचंद्र तिवारी,राघवेंद्र तिवारी,संजय सोनी पत्रकार, राहुल तिवारी,निखिल सोनी, आलोक कपूर, धीरज सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

32 दिनों का ड्रामा खत्म! मायावती का पसीजा दिल-भतीजे आकाश आनंद बने बीएसपी राष्ट्रीय संयोजक, 2027 पर क्या असर?

(यंग भारत न्यूज)
बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद की पार्टी में वापसी का ऐलान कर दिया है। उन्हें एक बार फिर बीएसपी का राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है।मायावती ने यह फैसला ऐसे समय लिया है, जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। ऐसे में आकाश आनंद की वापसी को पार्टी के लिए महज संगठनात्मक फैसला नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति में एक अहम बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।
मायावती ने अपने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी और बहुजन आंदोलन के हित में काफी सोच-विचार के बाद आकाश आनंद को दोबारा जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया गया है। आपको बता दें कि, 32 दिन पहले यानी 3 सितंबर को मायावती ने आकाश को पार्टी के शीर्ष पद से हटाया था। इसके बाद, दोनों के रिश्तों में खटास देखी गई। वहीं, 12 दिन पहले यानी 23 सितंबर को आकाश के छोटे भाई ईशान को बीएसपी का नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया था। आइए जानते हैं कि क्यों आकाश को हटाया गया था ? और क्यों दोबारा वापसी



हुई ?
मायावती के मुताबिक, आकाश आनंद का पार्टी में कामकाज काफी हद तक ठीक रहा था, लेकिन कुछ कारणों से संगठन में कई बार बदलाव करने पड़े। इसी सिलसिले में उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को भी राजनीति से संन्यास लेना पड़ा। मायावती ने कहा कि इसके बाद आकाश आनंद के व्यक्तित्व और कार्यशैली में बदलाव देखने को मिला। उनकी पार्टी में वापसी की इच्छा को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म झू पर किए गए पोस्ट का भी मायावती ने जिक्र किया। मायावती के अनुसार, बीएसपी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की राय थी कि आकाश आनंद को उनकी पहले वाली जिम्मेदारियों के साथ दोबारा पार्टी में काम करने का मौका दिया जाना चाहिए। इस फैसले में आकाश आनंद के पिता आनंद

जिम्मेदारी मिलेगी, उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। मायावती ने साफ किया कि पार्टी में अनुशासन उनके लिए सबसे ऊपर है और इस मामले में परिवार के सदस्यों को भी कोई विशेष छूट नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि उनका निजी परिवार ही नहीं, बल्कि पूरा बहुजन समाज उनका बड़ा परिवार है और उसके हित को वह सर्वोपरि मानती है। यानी आकाश आनंद की वापसी के साथ मायावती ने एक संदेश देने की कोशिश की है कि परिवार होने के बावजूद पार्टी में जिम्मेदारी प्रदर्शन और अनुशासन के आधार पर तय होगी। उत्तर प्रदेश में बीएसपी लंबे समय से अपने पारंपरिक दलित वोट बैंक को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2027 के चुनाव में पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने कमजोर हुए जनाधार

को वापस हासिल करना है।आकाश आनंद की सबसे बड़ी भूमिका युवा मतदाताओं और खासकर नई पीढ़ी के दलित वोटरों के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने की हो सकती है। मायावती की राजनीति का अनुभव और आकाश आनंद की अपेक्षाकृत युवा छवि, बीएसपी इन्हें साथ लेकर चुनावी अभियान को नई दिशा देने की कोशिश कर सकती है। युवा वोटरों पर फोकस: आकाश आनंद को पहले भी बीएसपी के युवा चेहरे के तौर पर आगे बढ़ाया गया था। राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी मिलने के बाद वह देशभर में संगठन को सक्रिय करने और युवाओं के बीच पार्टी की मौजूदगी बढ़ाने की भूमिका निभा सकते हैं। दलित वोट बैंक को फिर जोड़ने की कोशिश: बीएसपी की राजनीति का सबसे मजबूत आधार दलित वोटर रहा है। 2027 से पहले आकाश आनंद को वापसी को इस आधार को दोबारा संगठित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है। मायावती के बाद नेतृत्व की तैयारी: आकाश आनंद को लंबे समय से बीएसपी में मायावती के बाद नई पीढ़ी के चेहरे के रूप में देखा जाता रहा है। राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी दोबारा मिलना इस चर्चा को फिर हवा दे सकता है।

दूसरे से हंस-हंस कर बात करने पर ले ली जान, बेटी के सामने गला दबाकर पत्नी को मार डाला

(यंग भारत न्यूज)
गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद थानाक्षेत्र में युवक ने संबंधों के शक में पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी को पांच साल की बेटी ने रोकने का प्रयास किया तो उसे भी थपड़ मारकर दूर फेंक दिया। घटना 15 सितंबर है, जिसे अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया था। रविवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।
हारदोई के पचकोरा की मूलनिवासी संतोषी देवी साहिबाबाद के जनकपुरी में किराये के मकान में रहती हैं। इसी मकान के दूसरे कमरे में उनकी बेटी प्रेमवती रहती थी। प्रेमवती के परिवार में पति प्रेम कुमार और चार बच्चे भी हैं। बड़ा बेटा 14 साल का है और छोटी बेटी पांच साल की है। प्रेम कुमार मजदूरी करता था। संतोषी ने बताया कि प्रेम आए दिन शराब पीकर उनकी बेटी को मारता था।। 15 सितंबर की रात को आरोपी नशे में घर पहुंचा और प्रेमवती से झगड़ करने लगा। उनके कमरे तक आवाज आ रही थी। इसी दौरान बेटी की चीख निकली। वह दौड़कर पहुंचीं तो देखा कि प्रेम कुमार भाग रहा है। कमरे में उनकी बेटी अचेत हालत में पड़ी थी। वहीं, उसकी बच्ची बिलख रही थी। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को बुलाया और प्रेमवती को अस्पताल ले गईं। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में प्रेमवती की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई थी। इसके आधार पर संतोषी को तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। वारदात के बाद से ही आरोपी प्रेम कुमार फरार चल रहा था। रविवार सुबह आरोपी को जीटी रोड पर दिल्ली बॉर्डर के पास से गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद मौके से भागा प्रेम कुमार मोबाइल साथ लेकर नहीं गया था। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की तो लोकेशन ढूंढने में काफी ज्यादा मुश्किल हुई। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से भी मदद नहीं मिली। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 15 सितंबर को पत्नी से उसका झगड़ा हुआ था। उसे शक था कि प्रेमवती किसी दूसरे व्यक्ति से बात करती है। अक्सर उसके सामने वह फोन पर हंस-हंसकर बात करती थी। उसके मना करने के बावजूद पत्नी बात नहीं मान रही थी। 15 सितंबर की रात को भी वह नशे में था। आरोपी ने इस दौरान पत्नी से पूछा था कि किस व्यक्ति से बात करती है। आरोपी का कहना है कि पत्नी ने संबंध होने की बात से ही इनकार कर दिया। इस कारण उसे गुस्सा आया और पत्नी का मुंह और गला दबाकर हत्या कर दी। प्रेम कुमार और प्रेमवती के चार बच्चे हैं। एक ही कमरे में तखनुमा ढांचा बनाकर सभी सोते हैं। पुलिस के मुताबिक 15 सितंबर की देर रात आरोपी पत्नी के गले व मुंह को दबाने लगा। पांच साल की बेटी जगा गई। मासूम ने मां को मार रहे पिता को रोकने की कोशिश की। रोते हुए उसने आरोपी के हाथ पकड़े, लेकिन आरोपी ने बच्ची को कई थपड़ मारे। आरोपी ने उसे दूर फेंक दिया।



32 साल में 4 बार क्यों बदला जिले का नाम? 2027 चुनाव से पहले ‘संत रविदास नगर भदोही’ से किसे साध रही बीजेपी?

(यंग भारत न्यूज)
उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भदोही जिले का नाम बदलने का ऐलान किया है। अब जिले को ‘संत रविदास नगर भदोही’ के नाम से जाना जाएगा।
भदोही में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। इससे पहले 29 जुलाई को भी उन्होंने जिले का नाम संत रविदास के नाम पर करने की बात कही थी। योगी सरकार इस फैसले को संत रविदास के सम्मान और सामाजिक एकता से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास ने अपनी आध्यात्मिक भक्ति के



जरिए समाज को जोड़ने का काम किया। उनके मुताबिक, संत रविदास का सपना था कि किसी के साथ भेदभाव न हो और सभी को भोजन व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। लेकिन इस फैसले का एक राजनीतिक पहलू भी है।

भदोही वाराणसी के करीब है और पूर्वांचल में दलित मतदाताओं की राजनीतिक अहमियत रही है। ऐसे में संत रविदास का नाम जोड़ने को दलित समाज तक पहुंचाना की कोशिश के तौर पर भी देखा जा सकता है। भदोही का नाम

बदलने का इतिहास करीब तीन दशक पुराना है। जिले के गठन के बाद से ही इसके नाम को लेकर अलग-अलग सरकारों ने फैसले किए। 30 जून 1994: तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार ने वाराणसी से अलग करके भदोही को नया जिला बनाया।

4 दिसंबर 1997: मायावती सरकार ने जिले का नाम बदलकर ‘संत रविदास नगर’ कर दिया।

1999: तत्कालीन भाजपा सरकार में नाम के साथ भदोही भी जोड़ दिया गया और यह ‘संत रविदास नगर भदोही’ हुआ।

6 दिसंबर 2014: अखिलेश यादव सरकार ने ‘संत रविदास नगर’ हटाकर

भांजे के साथ अकेली थी मामी तभी आ गए मामा नज़ारा जो देखा फिर शुरू ऐसा खेल की जिसे भी लगा पता रह गया दंग

(यंग भारत न्यूज)

फिरोजाबाद में एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी. पुलिस की पूछताछ में महिला ने बताया कि पिछले कुछ सालों से उसका उसके भांजे के साथ प्रेम संबंध था. ऐसे में एक दिन उसके पति ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया.

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में हैरतअंगेज मामला सामने आया है.फिरोजाबाद के कि खैरागढ़ के गांव सिरमई में एक पत्नी ने भांजे के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या कर दी. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गांव में एक महिला अपने ही भांजे के साथ चक्कर चला रही थी.ऐसे में एक दिन उसके पति ने दोनों को अवैध संबंध बनाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया.बीवी और पति को साथ देख पति को गुस्सा आ गया और तीनों में खूब कहासुनी हो गई.पति का गुस्सा देखकर भांजे के साथ अवैध संबंध की बातें सार्वजनिक होने के डर से महिला ने साजिश रच दी. महिला ने भांजे के साथ मिलकर पति का गला दबा दिया और उसको मौत के घाट उतार दिया.पुलिस ने मामला दर्ज करके दोनों को गिरफ्तार कर लिया है.पुलिस ने बताया कि सिरमई निवासी सतेंद्र सिंह को



बुधवार सुबह मृत हालत में देख कर परिजनों में हड़कंप मच गया. ऐसे में इसकी जानकारी पुलिस को दी गई. पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की.जांच में पता चला कि सतेंद्र की हत्या गला दबाकर की गई है.इसके बाद पुलिस ने घरवालों से पूछताछ की तो युवक की पत्नी डर गई और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की दिया.पुलिस ने मामला दर्ज करके दोनों की पत्नी ने बताया कि उसी ने भांजे के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की

है.पुलिस की पूछताछ में रोशनी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से उसका उसके भांजे गोविंद के साथ प्रेम संबंध था. रोशनी ने बताया कि मंगलवार की रात को उसका पति सतेंद्र घर पर नहीं था.ऐसे में वो और गोविंद साथ में थे,लेकिन तभी सतेंद्र आ गया और दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया. इसके बाद तीनों में बहस हुई. अवैध संबंध और लोकलाज के कारण दोनों ने सतेंद्र की हत्या का फैसला किया और उसे मार दिया.

मस्जिद से नमाज अदा कर निकल रहे बुजुर्ग को सांप ने काटा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम धौरपुर में रविवार की देर रात एक बुजुर्ग को सांप ने काट लिया। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई।वही देर रात आनन-फानन में परिजन बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद उनकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार अनवर खां उम्र 56 वर्ष पुत्र होशियार खां निवासी ग्राम धौरपुर थाना कैलिया, रविवार देर रात मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान मस्जिद के दरवाजे पर अचानक सांप ने उन्हें काट लिया। सांप के काटते ही बुजुर्ग की हालत बिगड़ने लगी।घटना के समय उनके साथ मौजूद परिजनों ने बिना देर किए उन्हें उपचार के लिए सीएचसी कोंच में भर्ती कराया। वहां तैनात चिकित्सक डॉ. गौरव शर्मा ने बुजुर्ग का प्राथमिक उपचार किया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया।

चार बोरिंग के तार और अन्य जरूरी उपकरण अज्ञात चोरों ने लिए चोरी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मौजा मनकापुर जालौन बाहर हद में लगभग एक सप्ताह पूर्व एक साथ खेतों में लगी चार बोरिंग के तार और अन्य जरूरी उपकरण अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिए। पीड़ित किसान ने चोरी की शिकायत एसपी से की है।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ओझा निवासी किसान हितेंद्र कुमार उर्फ संजू लिटौरिया ने एसपी विनय कुमार को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनका खेत मौजा मनकापुर जालौन बाहर हद में स्थित है। उनके खेत में और आसपास खेतों में फसल की सिंचाई के लिए निजी बोरिंग लगवाई गई है। बोरिंग के लिए बिजली का कनेक्शन भी लिया गया है। बोरिंग का सामान और बिजली के तारों को सुरक्षित रखने के लिए खेतों में ही कोठी का निर्माण कराया गया है। आरोप लगाया कि बीती 29 सितंबर की रात अज्ञात चोरों ने उनके खेत में स्थित और आसपास चार किसानों की कोठी का ताला तोड़कर उसमें रखे सिंचाई के सामान समेत बिजली के तार चोरी कर लिए हैं। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। बताया कि इसकी शिकायत उन्होंने कोतवाली में भी की थी लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित किसान ने एसपी से मामले की रिपोर्ट दर्ज करारकर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सिकरी रजवहा की पटरी काटने से रजवहा का पानी भर रहा खेतों में

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। सालाबाद के पास सिकरी रजवहा की पटरी काटने से रजवहा का पानी खेतों में भर रहा है। किसान खेतों में जुताई नहीं कर पा रहे हैं। पीड़ित किसान ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर रजवाहा की काटी गई पटरी को ठीक कराने की मांग की है।

ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सालाबाद निवासी किसान श्याम सिंह, दूगविजय सिंह आदि ने एसडीएम राकेश सोनी को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनके गांव के बाहर से होकर सिकरी रजवहा निकला है। किसान जरूरत होने पर रजवहा के पानी का उपयोग करते हैं। आरोप लगाया कि कुछ दिन पूर्व सालाबाद के पास कुछ किसानों ने रजवहा की पटरी को काट दिया है। रजवहा की पटरी को काटने से अब रजवहा का पानी खेतों में भर रहा है। जिससे किसान खेतों में जुताई नहीं कर पा रहे हैं। आगे की फसल के लिए यही जुताई का समय है। खेतों में पानी भरे होने से जुताई का समय निकलता जा रहा है। खेतों से पानी निकलने के बाद सूखने के लिए भी कुछ समय चाहिए। ऐसे में यदि जल्द से जल्द पटरी को सही नहीं कराया गया तो किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने एसडीएम से मांग की है कि रजवहा की पटरी को जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाए ताकि किसान खेतों में जुताई आरंभ कर सकें।

रुपये उधार लेने वाला व्यक्ति रुपये ना लौटा कर, उल्टी दे रहा जानमाल की धमकी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। रुपये उधार लेने वाला व्यक्ति रुपये नहीं लौटा रहा है। मांगने पर धमका रहा है। पीड़ित ने मामले की तहरीर एसपी को देकर न्याय की गुहार लगाई है। सिरसा कलार थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़गुवां निवासी प्रफुल्ल कुमार ने एसपी विनय कुमार को बताया कि उनके गांव का ही एक व्यक्ति उससे 60000 रुपये उधार ले गया था। रुपये उधार लेने के बाद उसने आरवासन दिया था कि कुछ समय में वह उसके रुपये लौटा देगा। कई बार रुपये मांगने पर भी उसने रुपये नहीं लौटाए कहा कि उसे अपना खेत बेचना है, जब उसका खेत बिक जाएगा। तब वह रुपये लौटा देगा। अब उसका खेत भी बिक चुका है, लेकिन वह रुपये नहीं लौटा रहा है। बल्कि रुपये मांगने पर धमका रहा है। पीड़ित ने एसपी से उसके रुपये वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

जिले का नाम फिर ‘भदोही’ कर दिया।

4 अक्टूबर 2026: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर ‘संत रविदास नगर भदोही’ नाम रखने की घोषणा की।

इस तरह नाम के साथ संत रविदास की पहचान पहले भी जुड़ चुकी है। अब योगी सरकार ने उसी नाम को फिर से बहाल करने का ऐलान किया है।

संत रविदास मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतों में गिने जाते हैं। उनकी शिक्षाओं में समानता, भक्ति और जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर ईसान को ईसान बना का संदेश प्रमुख रहा है। उत्तर भारत में खासकर दलित समाज के

एक बड़े हिस्से में संत रविदास के प्रति गहरी आस्था है। योगी आदित्यनाथ ने नाम बदलने की घोषणा की इसी विरासत से जोड़ा। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने आध्यात्मिक भक्ति के जरिए समाज को एकजुट किया था। मुख्यमंत्री ने मुफ्त राशन और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि संत रविदास के समानता के संदेश को आज की योजनाओं में भी देखा जा सकता है। राजनीतिक तौर पर देखें तो संत रविदास का नाम जोड़ना दलित मतदाताओं के बीच जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर ईसान को ईसान बना का संदेश प्रमुख रहा है।

हालांकि, केवल नाम बदलने से किसी समाज का राजनीतिक समर्थन तय नहीं होता। इसका असर इस बात पर भी निर्भर करेगा कि सरकार की योजनाओं और स्थानीय विकास का लाभ लोगों तक कितना पहुंचता है।

हर थाने में दो पुलिसकर्मी बनेंगे फॉरेंसिक फर्सट रिस्पॉन्डर, एसपी विनय कुमार और एसपी डॉ. ईशान सोनी की पहल

- पुलिस लाइन उरई में एक दिवसीय कार्यशाला, घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य सुरक्षित करने का कराया गया अभ्यास
- फिंगर प्रिंट, ब्लड व अन्य साक्ष्य जुटाने की दी गई ट्रेनिंग, घटनास्थल को सुरक्षित रखने की बताई मानक प्रक्रिया
- पोस्ट-डेथ एनालिसिस के जरिए मृत्यु के समय से जुड़े महत्वपूर्ण संकेतों की दी गई जानकारी, वैज्ञानिक विवेचना पर जोर

(यंग भारत न्यूज)
उरई, जालौन। अपराध की विवेचना को अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाने के लिए जालौन पुलिस ने मिनी फील्ड यूनिट-फॉरेंसिक फर्सट रिस्पॉन्डर की



पहल शुरू की है। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी के नेतृत्व में प्रत्येक थाना स्तर पर मिनी फील्ड यूनिट का गठन किया गया है। चयनित पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्य सुरक्षित एवं संकलित करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस लाइन उरई के सभागार में ‘Mini Field Unit-Forensic First Responders’ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रत्येक थाने से दो पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें घटनास्थल पर

प्रथम प्रतिक्रिया देने वाले पुलिसकर्मी के दायित्वों और मानक संचालन प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने प्रशिक्षण के दौरान Post-Death Analysis से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने Algor Mortis के तहत मृत्यु के बाद शरीर के तापमान में होने वाली गिरावट, Rigor Mortis में मृत्यु के कुछ समय बाद मांसपेशियों में आने वाली अकड़न तथा Livor Mortis में रक्त के गुरुत्वाकर्षण के कारण शरीर के निचले हिस्सों पर नीले या बैंगनी धब्बे पड़ने की प्रक्रिया समझाई। इसके साथ ही

Cadaveric Spasm यानी मृत्यु के समय अचानक होने वाली मांसपेशियों की जकड़न के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यशाला के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीन क्रिएट कर घटनास्थल को सुरक्षित रखने का व्यावहारिक अभ्यास किया। प्रमुख स्थानों को चिह्नित करने, फिंगर प्रिंट, ब्लड और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित तरीके से एकत्र करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक अपराधिक न्याय व्यवस्था में वैज्ञानिक साक्ष्यों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। पारंपरिक साक्ष्यों के साथ फॉरेंसिक साक्ष्यों के वैज्ञानिक इस्तेमाल से विवेचना को अधिक निष्पक्ष और प्रभावी बनाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से पुलिसकर्मियों को समय-समय पर प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से अपडेट किया जा रहा है, ताकि घटनास्थल पर महत्वपूर्ण साक्ष्य सुरक्षित रहते हुए अपराध की जांच को मजबूत आधार मिल सके।

जल जीवन मिशन की प्रदर्शनी में गूंजा ‘हर घर जल’ का संदेश, ग्रामीणों को बताई जल गुणवत्ता जांच की विधि

(यंग भारत न्यूज)
उरई, जालौन। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर उरई में जल जीवन मिशन की प्रदर्शनी स्टॉल लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में आमजन को जल जीवन मिशन के उद्देश्यों, ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने तथा पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के संबंध में जागरूक किया गया। स्टॉल पर पहुंचे जिलाधिकारी श्री समीर, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधायक माधौगढ़ श्री मूलचंद निरंजन सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजन को जल जीवन मिशन की योजनाओं एवं गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता की जांच भी बेहद जरूरी है। दूषित पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए समय-समय पर जल स्रोतों की जांच कराने और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। प्रदर्शनी के दौरान लोगों को जल जीवन मिशन से संबंधित पुस्तिकाएं वितरित की गई। साथ ही HwS वायल देकर जल गुणवत्ता की जांच के संबंध में जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि पेयजल की गुणवत्ता को लेकर किसी प्रकार की आशंका होने पर जांच कराना जरूरी है, ताकि दूषित पानी के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी जोखिम को कम किया जा सके। अधिकारियों ने जल संरक्षण और पानी के समुचित उपयोग का संदेश भी दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल की सुविधा के साथ जल स्रोतों के संरक्षण और पानी की गुणवत्ता बनाए रखने में समुदाय की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया गया। इस अवसर पर जल निगम ग्रामीण के अधिशाषी अभियंता श्री अंचल कुमार गुप्ता, पीएमसी से श्री श्यामनारायण दुबे, UNOPS से देवेन्द्र गांधी तथा ISA-MSS मानव सेवा समिति से राजीव गुप्ता, कामल, पूजा सहित अन्य सहयोगी मौजूद रहे। प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को जल जीवन मिशन से जुड़ी सुविधाओं की जानकारी देने के साथ सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

■ कलेक्ट्रेट परिसर में लगे स्टॉल पर जनप्रतिनिधियों और आमजन को मिशन की योजनाओं की दी गई जानकारी

■ HwS वायल व पुस्तिकाएं बांटकर सुरक्षित पेयजल और जल गुणवत्ता जांच के प्रति किया जागरूक

■ सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

सांप के काटने से 16 वर्षीय किशोर हालत गंभीर

(यंग भारत न्यूज)
उरई। कुवैद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम इटाहा निवासी मोहित निषाद उम्र 16 वर्ष खेत पर भैंसों के लिए चारा लेने गया था तभी काले सर्प ने मोहित कुमार को डस लिया युवक को सांप के काटने से खेत पर बिहोशी हालत मे मिला मौजू चौधरी हरनाथ राठौर अपने खेत पर जा रहे थे तभी मोहित कुमार निषाद पुत्र गजेंद्र सिंह निषाद को बेहोशी हालत में देखकर परिजनो को फोन द्वारा सूचना दी सूचना मिलते ही खेत पर चारों तरफ भीड़ इकट्ठा हो गई बेहोशी हालत में नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुवैद में भर्ती कराया डॉक्टर ने उपचार के बाद उच्च स्थान मेडीकल कॉलेज अस्पताल उरई को किया रिफर हालत गंभीर पूर्व प्रधान अनंत सिंह निषाद का नाती मां गीता निषाद का रो-रो कर बुरा हाल घटना की खबर सुनते ही 219 विधानसभा माधौगढ़ कौच के प्रबल प्रत्याशी फूलसिंह राठौर को मिली खबर खबर सुनते ही मौके पर पहुंचे परिजनों को दिलासा दिलाया कि आपका बच्चा बहुत जल्द ठीक हो जाएगा लालन राठौर ने कहा कि हम से जो मदद होगी वो अपनी मदद जरूर करेंगे मौके पर लालन राठौर कांग्रेस कार्यकर्ता ग्राम वासी मौजूद रहे।



कदौरा सहकारी समिति में खाद को लेकर किसानों का हंगामा, वितरण में भेदभाव का आरोप; तीन घंटे धूप में कतार में खड़े रहे किसान

- किसानों का आरोप-लाइन में घंटों खड़े रहने के बाद भी मिल रही दो-तीन बोरी खाद, प्रभावशाली लोगों को थोक में वितरण
- ट्रैक्टरों में चोरी-छिपे खाद लादकर भेजने का आरोप, समिति की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल
- किसानों ने उच्चाधिकारियों से जांच कर दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई और नंबर के आधार पर खाद वितरण की मांग की

(यंग भारत न्यूज)
कदौरा, जालौन। कदौरा सहकारी

समिति में खाद वितरण को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने समिति में खाद वितरण में भेदभाव और मनमानी का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उनका कहना है कि वे सुबह से घंटों धूप में लाइन में खड़े होकर खाद मिलने का इंतजार करते रहे, लेकिन कई किसानों को जरूरत के मुताबिक खाद नहीं मिल सकी। वहीं कुछ लोगों को कथित तौर पर बड़ी मात्रा में खाद उपलब्ध कराए जाने से किसानों में नाराजगी बढ़ गई। किसानों का आरोप है कि समिति की ओर से खाद वितरण में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। उनका कहना है कि सुबह से लाइन में लगे किसानों को दो या तीन बोरी खाद देकर वापस किया जा रहा है, जबकि कथित तौर पर समिति से जुड़े लोगों अथवा उनके परिचितों को 20, 50 से लेकर 60-70 बोरी तक खाद दिए जाने की बात सामने आ रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि कुछ ट्रैक्टरों को भी चुपचाप खाद भरवाकर भेजा जा रहा है। किसानों का कहना है कि खाद की किल्लत के बीच छोटे और जरूरतमंद किसान सबसे अधिक

परेशान हैं। कई किसान तीन घंटे तक धूप में लाइन में खड़े रहे, इसके बावजूद उन्हें सीमित मात्रा में ही खाद मिल सकी। इससे किसानों में समिति के सचिव और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। किसानों ने मांग की कि खाद वितरण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जाए। समिति में आने वाले किसानों का नंबर दर्ज कर उसी क्रम में खाद का वितरण किया जाए, ताकि किसी किसान के साथ भेदभाव न हो। साथ ही समिति से खाद उठाने वाले लोगों और वितरित की गई मात्रा का रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाने की भी मांग उठाई गई। किसानों ने उच्चाधिकारियों से पूरे मामले की तत्काल जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जांच में अनियमितता या मनमानी सामने आती है तो संबंधित समिति कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। किसानों ने चेतावनी दी कि खाद वितरण में पारदर्शिता नहीं लाई गई तो वे उच्चाधिकारियों के समक्ष शिकायत करने के साथ आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

एसपी विनय कुमार की अध्यक्षता में डिजिटल सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी समिट, एसपी डॉ. ईशान सोनी ने कटेंट क्रिएटर्स को किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)
उरई, जालौन। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच इसके जिम्मेदार और सुरक्षित इस्तेमाल को लेकर जालौन पुलिस ने नई पहल की है। पुलिस लाइन उरई में पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स के साथ ‘डिजिटल सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी समिट’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के सकारात्मक इस्तेमाल और सोशल मीडिया से जुड़े जोखिमों के बारे में जानकारी दी। समिट का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया के जिम्मेदार, सुरक्षित एवं सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा देना तथा डिजिटल माध्यमों के जरिए जनजागरूकता को और प्रभावी बनाना रहा। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और कंटेंट क्रिएटर्स के बीच सोशल मीडिया की वर्तमान भूमिका, चुनौतियों और जिम्मेदारियों को लेकर संवाद हुआ। एसपी डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और अफवाहें तेजी से प्रसारित होती हैं। ऐसे में किसी भी सूचना को आगे बढ़ाने से पहले उसके स्रोत और सत्यता की पुष्टि करना बेहद जरूरी है। उन्होंने साइबर अपराध, ऑनलाइन फ्रॉड, डिजिटल प्राइवेसी, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा जिम्मेदार कंटेंट निर्माण जैसे विषयों पर भी चर्चा की। पुलिस अधिकारियों ने कंटेंट क्रिएटर्स से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर अपनी पहुंच और प्रभाव का इस्तेमाल जनहित में करें। किसी अपुष्ट सूचना, अफवाह अथवा भ्रामक सामग्री को प्रसारित करने से बचें। सकारात्मक और तथ्यपरक सामग्री के माध्यम से लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया समाज को जागरूक और सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। पुलिस और कंटेंट क्रिएटर्स के समन्वित प्रयास से इसे अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल स्पेस बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सही सूचना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाकर साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। समिट में सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर सुरक्षा और जनजागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने के लिए पुलिस तथा कंटेंट क्रिएटर्स के बीच निरंतर सहयोग पर सहमति बनी। कार्यक्रम के माध्यम से कंटेंट क्रिएटर्स को डिजिटल दुनिया में अपनी जिम्मेदारी समझने और सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करने का संदेश दिया गया।



- पुलिस लाइन उरई में सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स के साथ हुआ संवाद, जिम्मेदार डिजिटल उपयोग पर जोर
- फेक न्यूज, अफवाह, साइबर अपराध और ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव को लेकर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी
- एसपी डॉ. ईशान सोनी बोले- सूचना साझा करने से पहले उसकी सत्यता और स्रोत की जरूर करें पुष्टि
- महिला-बाल सुरक्षा और डिजिटल प्राइवेसी पर भी चर्चा, जनजागरूकता अभियानों में पुलिस का सहयोग करेंगे कंटेंट क्रिएटर्स

मेडिकल कॉलेज की मुफ्त जांच पर सविदा लैब कर्मियों पर लगा जांच बाहर से कराने का आरोप

- लंबे समय से एक ही पटल पर जमे आउटसोर्सिंग कर्मियों की भूमिका पर उठे सवाल, मरीजों ने लगाए गंभीर आरोप
- मेडिकल कॉलेज के सामने संचालित निजी लैब में जांच कराने का आरोप, सरकारी सुविधा से मरीजों को कथित तौर पर दूर रखने की शिकायत
- कर्मचारियों की मिलीभगत और कमीशनखोरी के आरोपों ने बढ़ाई चिंता, शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का दावा
- मेडिकल कॉलेज प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग

(यंग भारत न्यूज)
उरई, जालौन। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में मरीजों को मिलने वाली जांच सुविधाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मरीजों और तीमारदारों ने आरोप लगाया है कि मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध निष्पक्ष अथवा सरकारी व्यवस्था के तहत होने वाली जांचों के बावजूद कुछ मरीजों को बाहर स्थित निजी लैब में जांच

कराने के लिए भेजा जाता है। शिकायतों में लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात आउटसोर्सिंग कर्मियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। मरीजों और तीमारदारों का आरोप है कि अस्पताल में इलाज कराने आने वाले अधिकांश लोग ग्रामीण और सामान्य आर्थिक स्थिति वाले परिवारों से होते हैं। ऐसे में जब उन्हें सरकारी अस्पताल में ही जांच की सुविधा मिलने की उम्मीद होती है, लेकिन कथित तौर पर उन्हें बाहर की लैब का रास्ता दिखाया जाता है तो उनकी जेब पर अतिरिक्त भार पड़ता है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि इस व्यवस्था को जानकारी अस्पताल के कुछ कर्मचारियों को भी है। मामले में रोहित कुशवाहा और लोकेश कुशवाहा नाम सामने आए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि दोनों कई वर्षों से आउटसोर्सिंग के माध्यम से क्लर्क के पद पर एक ही स्थान पर कार्यरत हैं। आरोप है कि लंबे समय से एक ही पटल पर तैनाती के कारण उनकी अस्पताल की आंतरिक व्यवस्था में पकड़ मजबूत हो गई है। इसी वजह से मरीजों को निजी लैब तक भेजे जाने की कथित व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने मेडिकल कॉलेज के सामने दो जून होटल के नीचे संचालित तुलसी लैब का भी उल्लेख किया है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन का पक्ष सामने आने के बाद ही आरोपों का वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

लैब में भेजा जाता है। तीमारदारों का दावा है कि जिन जांचों की सुविधा मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध है, उन्हें वहीं कराने के बजाय बाहर भेजने से मरीजों को शुल्क देना पड़ता है। सबसे गंभीर आरोप कुछ कर्मचारियों की कथित मिलीभगत और कमीशन से जुड़ा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि निजी लैब में मरीज भेजे जाने के पीछे यदि किसी कर्मचारी को आर्थिक लाभ मिल रहा है तो इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। तीमारदारों का कहना है कि उन्होंने कई बार मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों और जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी दी, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे सवाल उठ रहा है कि यदि शिकायतें लगातार मिल रही थीं तो अस्पताल प्रशासन ने अब तक जांच क्यों नहीं कराई। अब मरीजों और उनके परिजनों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जांच में यह स्पष्ट किया जाए कि कौन-कौन से कर्मचारी मरीजों को बाहर भेज रहे हैं, क्या मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध जांच वास्तव में मरीजों को कराई जा रही है, संबंधित कर्मचारियों की एक ही स्थान पर लंबे समय से तैनाती क्यों है और निजी लैब से उनका कोई आर्थिक संबंध है या नहीं। मेडिकल कॉलेज प्रशासन का पक्ष सामने आने के बाद ही आरोपों का वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

माधौगढ़ की अतरौली पंचायत क्षेत्र में नाली और बरसाती नाला की कागजों में खुदाई दिखाकर सरकारी धन हड़पने का आरोप, प्रधान और सचिव की मिलीभगत से भ्रष्टाचार का आरोप, ग्रामीणों ने डीएम से जांच कर कार्रवाई की मांग की



(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। माधौगढ़ विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत अतरौली के अंतर्गत आने वाले ग्राम टिकुरी, धर्मपुरा, छुटका की खोड़ और अतरौली के ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और सचिव पर मिलीभगत कर विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। ग्रामीण माता प्रसाद, राजेंद्र, प्रीतम, राहुल पाल सिंह, प्रभुदयाल, वीरेंद्र सिंह आदि ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत में नाली की खुदाई और बरसाती नाले की खुदाई करार किए बिना ही अभिलेखों में कार्य पूर्ण दर्शा दिया गया और इसके नाम पर शासन से मिली धनराशि का भुगतान करा लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि मौके पर वास्तविक कार्य नहीं कराया गया है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान द्वारा करार गए पक्के निर्माण, पुलिया और डैम आदि के कार्यों में भी मनमानी की गई है। आरोप है कि इन कार्यों को प्रधान के चहेते लोगों के खेतों और रास्तों पर कराया गया, जबकि विकास कार्यों के लिए करीब 15 स्थानों को चिह्नित किए जाने का दावा किया गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से ग्राम पंचायत में करार गए सभी विकास कार्यों की स्थल्यीय जांच कराने, अभिलेखों और भुगतान की जांच कराने तथा आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

इनर व्हील वलब स्वर्णिम की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

पदभार ग्रहण समारोह में अतिथियों का फगड़ी व तलवार भेंटकर किया सम्मान
(यंग भारत न्यूज)
उरई, जालौन। सेवा,समर्पण और सशक्तीकरण के संकल्प के साथ इनर व्हील क्लब स्वर्णिम की नई कार्यकारिणी का गठन एवं पदभार ग्रहण समारोह नवोदय सरोवर होटल में हुआ। कार्यक्रम में नई टीम ने समाजसेवा के क्षेत्र में नई ऊर्जा और नए विचारों के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश पूजन और प्रार्थना के साथ हुआ। इसके बाद निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत बैठक की शुरुआत की गई। पदाधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारियों और आगामी कार्ययोजनाओं पर विचार साझा किए। इस दौरान सचिव की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। समारोह में चार्टर प्रेसिडेंट पुष्पा अग्रवाल, प्रेसिडेंट रजनी सिंह सेक्रेटरी अनीता चतुर्वेदी, आईएसओ अंजना शर्मा, ट्रेजरर (कोषाध्यक्ष) सरिता सिंघल, एडिटर शिल्पी अग्रवाल, व्वाइस सेक्रेटरी शालिनी तिवारी को जिम्मेदारी सौंपी गई। नई कार्यकारिणी से समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाने और सेवा कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने की अपेक्षा जताई गई। मुख्य अतिथि मनीषा बाजपेई डीसी और उदित शर्मा पीडीसी ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। मनीषा बाजपेई ने कहा कि किसी भी संस्था की पहचान उसके पदों से नहीं, बल्कि समाज के प्रति उसके समर्पण और किए गए कार्यों से बनती है। समारोह में क्लब की पदाधिकारियों को पगड़ी और तलवार भेंटकर सम्मानित किया। क्लब अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। वहीं शिल्पी अग्रवाल की ओर से डांडिया कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसने समारोह में उत्साह भर दिया। कार्यक्रम का संचालन ममता स्वर्णकार ने किया। नई कार्यकारिणी ने सेवा और सहयोग की भावना के साथ संगठन की गतिविधियों को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आरती उपाध्याय, अर्चना निरंजन, शालिनी निरंजन, रजनी तिवारी, सारिका सिन्हा, नेहा उपाध्याय, नूपुर कौशिक, शशि सोमेन्द्र सिंह, रीता सोनी, हेमा अग्रवाल, नीता श्रीवास्तव,अश्वनी,प्रियंका, आकांशा, प्रज्ञा सहित क्लब की पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहें।



कलेक्ट्रेट में लगी विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी

डीएम समीर बोले-योजनाओं की जानकारी से कोई पात्र व्यक्ति न रहे वंचित

- सेवा संकल्प अभियान के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में सूचना विभाग ने लगाई चित्र प्रदर्शनी, विभिन्न विभागों के स्टॉल रहे आकर्षण का केंद्र
- जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी व विधायक मूलचन्द्र निरंजन समेत जनप्रतिनिधियों ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ
- डीएम समीर ने अधिकारियों को दिए निर्देश, स्टॉल पर सिर्फ जानकारी नहीं बल्कि आमजन की समस्याओं का भी हो समाधान
- पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और योजनाओं के लाभ की दी गई जानकारी, विकास कार्यों को चित्रों के जरिए किया गया प्रदर्शित



(यंग भारत न्यूज)
उरई, जालौन। 'सेवा संकल्प अभियान-जन सेवा से देश सेवा' के तहत जनपद में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं और सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में चित्र प्रदर्शनी एवं विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। प्रदर्शनी का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधायक माधौगढ़ मूलचन्द्र निरंजन, विधायक कालपी के प्रतिनिधि आशू चुतुर्वेदी और जिलाधिकारी समीर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने फीता काटकर किया।

उद्घाटन के बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। सूचना विभाग की ओर से लगाई गई चित्र प्रदर्शनी में जनपद में कराए गए विकास कार्यों और जनहित में संचालित योजनाओं को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जानकारी आमजन को उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों को योजनाओं के लिए निर्धारित पात्रता, आवेदन की प्रक्रिया और मिलने वाले लाभ के बारे में सरल भाषा में समझाया। जिला पंचायत

अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनकी जानकारी पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और वह उसका लाभ प्राप्त करे। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी लोगों को एक ही स्थान पर कई विभागों की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने आमजन से योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रता के अनुसार लाभ उठाने की अपील की। विधायक माधौगढ़ मूलचन्द्र निरंजन ने कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से इन योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की पात्रता और प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाने पर जोर दिया, ताकि जानकारी के अभाव में कोई पात्र उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों को योजनाओं के लिए निर्धारित पात्रता, आवेदन की प्रक्रिया और मिलने वाले लाभ के बारे में सरल भाषा में समझाया। जिला पंचायत

पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं की जानकारी आमजन को सरल, स्पष्ट और सहज भाषा में उपलब्ध कराई जाए। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। डीएम समीर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि विभागीय स्टॉल केवल योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित न रहे, बल्कि वहां आने वाले लोगों की जिज्ञासाओं और समस्याओं का मौके पर समाधान भी किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। प्रदर्शनी में परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कलेक्ट्रेट परिसर में लगी प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर सरकार की योजनाओं और जनपद में संचालित विकास कार्यों की जानकारी ली। प्रदर्शनी आमजन के लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं, पात्रता और लाभ को एक ही स्थान पर समझने का उपयोगी माध्यम बनी।

17 वर्षीय किशोरी लापता, 20 दिन बाद भी नहीं मिला सुराग

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। शहर के मुहल्ला शांतिनगर निवासी विजय कुमार पुत्र श्रीदयाल ने पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी 17 वर्षीय पुत्री की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उसे तलाशने की गुहार लगाई है। प्रार्थना पत्र के अनुसार उनकी पुत्री 12 सितंबर 2026 को घर से जाने के बाद लापता हो गई। काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। पीड़ित पिता के मुताबिक उन्होंने पुत्री के लापता होने की सूचना पुलिस को दी और उसकी तलाश के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मामले में गुमशुदगी दर्ज कराने के बावजूद करीब 20 दिन से अधिक समय बीत चुका है। प्रार्थना पत्र में पिता ने बताया कि उनकी पुत्री की उम्र 17 वर्ष है और उन्हें आशंका है कि किसी व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर उसे अपने साथ ले जाया गया हो सकता है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले को गंभीरता से लेते हुए पुत्री की शीघ्र तलाश कर सकुशल बरामदगी कराने की मांग की है। पीड़ित पिता ने एसपी व डीएम से लगाई मदद की गुहार, बेटी की तलाश में पुलिस से कार्रवाई की मांग।

कुसमिलिया सहकारी समिति बैंक के कर्मचारियों पर लगे खाद वितरण में धांधली के आरोप

सुबह से शाम तक बैठी रही भूखी प्यासी महिलाएं, चीन्हे चीन्हे कर बांटी जा रही है रेवड़ियों की तरह खाद
(यंग भारत न्यूज)
डकोर (उरई) विकास खंड डकोर स्थित ग्राम कुसमिलिया में बनी सहकारी समिति बैंक के कर्मचारियों पर किसानों ने खाद वितरण को लेकर लगाया धांधली करने का आरोप गौरतलब है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कुसमिलिया में बनी सहकारी समिति बैंक के कर्मचारियों के खाद वितरण को लेकर ग्रामीण क्षेत्र के किसानों ने धांधली करने का आरोप लगाते हुए बताया कि हर वर्ष इस बैंक में कर्मचारियों द्वारा खाद चोरी चोरी रात्रि में अपने रिस्तेदारों का चहेतों को खाद वितरण कर दी जाती है जब थोड़ी खाद बचती है तो किसानों को फोन द्वारा अवगत कराते हैं की खाद आ गई है जब किसान कोशमी लिया बैंक में पहुंचता है तो भारी भरकम भीड़ जमा इकट्ठा हो जाती है वही बैंक कर्मचारी अपनी आदत से मजबूर होकर अपने ही लोगों को खाद देते हैं और बाहर से आए ग्रामीणों को खाद नहीं मिल पाती है यही नहीं सुबह से महिलाएं बैठी है इसी इंतजार में की खाद मिल जाएगी लेकिन खाद नहीं मिल पाती है वहां पर मौजूद ग्रामीण बिरकभान राजपूत मैया दीन राजपूत शीला देवी बालमती देवी मां कुंवर देवी ने बताया सुबह से शाम तक भूखे प्यासे बैठे हैं लेकिन खाद नहीं मिली बैंक कर्मचारियों के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश पनपता नजर आ रहा है किसानों ने बताया कि अगर समय से खाद नहीं मिली तो इसी बैंक में किसान धरना प्रदर्शन करेंगे

नवरात्रि को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक संपन्न

शांति व भाईचारा बनाए रखने की अपील की
(यंग भारत न्यूज)
डकोर (उरई) आगामी पावन पर्व नवरात्रि महोत्सव को शांतिपूर्ण व सुरक्षित और भाईचारा सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज स्थानीय डकोर थाना परिसर में पीठ कमेटी की बैठक संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह ने की बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों वह वह नवरात्रि सेवा समितियों के आयोजकों और समाजसेवियों ने हिस्सा लिया कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह ने कहा त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अपवाह फैलाने वाले असमाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी पंडालों और आयोजन ऑन के लिए दिशा निर्देश पूजा समितियों को निर्दिशित किया गया है की वे पंडालों में अग्निशमन के पर्याप्त प्रबंध रखें लाउडस्पीकर का उपयोग शासन द्वारा निर्धारित समय और ध्वनि सीमा के भीतर ही करने का निर्देश दिया गया है देवेंद्र सिंह ने यह भी कहा की सभी मंदिरों का पंडालून में डकोर थाना पुलिस प्रतिदिन रात लग्गी इसी क्रम में कमठा प्रधान रमेश कुमार ने बताया ग्राम कमठा में नवरात्रि के पर्व में ग्राम के कुछ उपद्रव शराब पीकर बीच रास्ते में वाहन खड़ा करके उपद्रव करते हैं पहले ऐसा नहीं था जब से ग्राम में देशी शराब का ठेका बना है बहुत ही माता बहनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह ने वहां के हलका ईंचार्ज एस आई शिवकरन को ग्राम कमठा में मुआयना कर के रिपोर्ट देने का आदेश दिया और उपद्रव करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए बैठक में मौजूद रनमत सिंह राजपूत वीरेंद्र सिंह राजपूत मुन्ना नेता मुहाना पुलिस स्टफ एस आई प्रेमचंद एस आई राजेश एस आई रामबन पुलिस स्टफ मौजूदहा

जमानत के बाद भी रिहाई से वंचित बंदियों की सूची मांगी

-न्यायिक अधिकारियों ने किया कारागार का निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने सोमवार को जिला कारागार उरई का सामाहिक भ्रमण कर विधिक शिविर का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का निरीक्षण कर बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान सचिव ने निर्देशित किया कि ऐसे बंदियों की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, जिनकी जमानत सक्षम न्यायालय से स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन जमानतगिर उपलब्ध न होने के कारण उनकी रिहाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे बंदियों की प्रभावी पैरवी कर उन्हें शीघ्र रिहा कराने का प्रयास किया जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों की जमानत राज्य की ओर से जिला अधिकार प्राप्त समिति जालौन के माध्यम से कराने की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने बंदियों को मिलने



वाली विधिक सहायता, मुकदमों की पैरवी तथा महिला बंदियों और उनके साथ रहे बच्चों की चिकित्सा एवं खान-पान की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं हैं अथवा न्यायालय में उचित पैरवी नहीं हो पा रही है, उन्हें विधिक सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए इसके बाद मुलाकाती क्षेत्र में बंदियों के परिजनों की सहायता के लिए स्थापित लीगल एड हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कई बंदियों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गई, लेकिन किसी बंदी ने कोई समस्या नहीं बताई। जेल के मुख्य द्वार पर चल रहे मरम्मत कार्य का भी निरीक्षण किया गया। इसके

उपरांत निःशुल्क विधिक सेवाएं एवं कार्य प्रणाली विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने बंदियों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी दी। चीफ एलएडीसी श्री विश्राम सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39ए गरीब एवं कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने तथा सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने का प्रावधान करता है शिविर में दर्जनों बंदी मौजूद रहे। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रशान्त मौर्य, कारापाल प्रदीप कुमार, उपकारापाल अमर सिंह एवं श्रीमती सुखवती तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन के लिपिक शुभम् शुक्ला उपस्थित रहे।

40 वर्षीय महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

(यंग भारत न्यूज)
उरई। जिले के आटा थाना क्षेत्र के सधारा गांव में रविवार की रात 40 वर्षीय महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार सधारा गांव निवासी जाहर सिंह यादव रविवार सुबह करीब 11 बजे जानवर चराने के लिए खेतों की ओर गए थे। घर पर उनकी पत्नी कमलेशी (40) अकेली थीं। शाम करीब 6 बजे जब जाहर सिंह यादव घर लौटे तो उन्होंने पत्नी को कमरे में मृत अवस्था में लटका देखा। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही आटा थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फील्ड यूनिट टीम को भी मौके पर बुलाया। टीम द्वारा घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए तथा फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई। सोमवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई की मोर्चरी भेज दिया। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया महिला द्वारा अज्ञात कारणों से आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। घटना में किसी तरह के अपराध की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करंट लगने से 60 वर्षीय मजदूर की मौत, परिवार में कोहराम

(यंग भारत न्यूज)
उरई। उरई कोतवाली क्षेत्र के कुसमी गांव में सोमवार दोपहर बिजली के करंट की चपेट में आने से 60 वर्षीय मजदूर राजाराम की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब वह अपने घर पर इलेक्ट्रिक केबल से संबंधित काम कर रहे थे। कुसमी गांव निवासी राजाराम सोमवार दोपहर करीब 1 बजे घर पर इलेक्ट्रिक केबल से संबंधित काम कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसने के बाद वह जमीन पर गिर पड़े। परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन अब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलने पर उरई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। परिजनों के मुताबिक, राजाराम मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी अचानक मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटी और तीन बेटे हैं। पिता की मौत से बच्चों और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।



यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर की सीमा बढ़ाने की मांग, व्यापार मंडल ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जनपद-जालौन ने यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले एमडीआर (मचैट डिस्काउंट रेट) की सीमा और मासिक अधिकतम सीमा में संशोधन किए जाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में व्यापार मंडल ने कहा कि यूपीआई आज देश में डिजिटल भुगतान का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। विशेष रूप से लघु एवं मध्यम वर्गीय व्यापारियों, उद्यमियों और उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई ने भुगतान प्रक्रिया को सरल, त्वरित और सुविधाजनक बनाया है। भारत सरकार द्वारा 15 अक्टूबर से 2000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर निर्धारित किए जाने तथा मासिक अधिकतम एमडीआर सीमा एक लाख रुपये निर्धारित किए जाने के संदर्भ में व्यापार मंडल ने चिंता जताई है। व्यापार मंडल की ओर इकाई की बैठक में सुझाव दिया गया कि व्यापारियों एवं उद्यमियों पर अतिरिक्त वित्तीय भार कम करने तथा डिजिटल भुगतान को लगातार प्रोत्साहित करने के लिए एमडीआर लागू होने की न्यूनतम लेनदेन सीमा 2000 रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये की जाए। साथ ही मासिक अधिकतम एमडीआर सीमा एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि इस व्यवस्था से लघु एवं मध्यम वर्गीय व्यापारियों तथा उद्यमियों पर अनावश्यक वित्तीय भार नहीं पड़ेगा और वे बिना किसी अतिरिक्त दबाव के यूपीआई एवं डिजिटल भुगतान को अपनाते रहेंगे। व्यापार मंडल ने कहा कि यूपीआई देश के व्यापार एवं आम जनता के लिए आवश्यक भुगतान माध्यम बन चुका है। इसकी सुविधा, पारदर्शिता और त्वरित भुगतान व्यवस्था ने व्यापारिक गतिविधियों को गति दी है। ऐसे में ऐसी नीतियां बनाई जानी चाहिए, जिससे व्यापारी डिजिटल भुगतान से विमुख होकर दोबारा नकद लेनदेन की ओर न लौटें। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने प्रधानमंत्री से मांग की कि एमडीआर की न्यूनतम लेनदेन सीमा 10 हजार रुपये तथा मासिक अधिकतम सीमा पांच लाख रुपये किए जाने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर आवश्यक निर्णय लिया जाए। व्यापार मंडल का कहना है कि इससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलने के साथ व्यापारियों के हितों की रक्षा और कैशलेस अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।



यमुना में मिला लापता किसान का शव, नेकर, नाखून और दांतों से हुई शिनाख्त

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम मंगरील निवासी करीब 80 वर्षीय किसान रामासरे पांडेय का शव सोमवार सुबह हीरापुर घाट के पास यमुना नदी में तैरता मिला। किसान के लापता होने के बाद रविवार सुबह से प्रशासन एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन की टीम द्वारा नदी में सर्वे अभियान चलाया जा रहा था, लेकिन देर शाम तक कोई सफलता नहीं मिली थी। सोमवार सुबह हीरापुर घाट के पास कुछ मछली शिकारी यमुना में शिकार कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें पानी में एक शव तैरता दिखाई दिया। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना मंगरील गांव में किसान के परिजनों को दी। जानकारी मिलते ही परिजन हीरापुर घाट पहुंचे और नाव तथा गोताखोरों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। घाट पर मौजूद परिजनों ने शव को देखकर उसकी पहचान करने का प्रयास किया। इसके बाद किसान की पत्नी छोटी बिट्टी उर्फ मुन्नी को शव का फोटो भेजकर पहचान कराई गई। पत्नी ने नेकर, नाखून और दांतों के आधार पर शव की शिनाख्त अपने पति रामासरे पांडेय के रूप में की। सूचना मिलने पर हल्का ईंचार्ज रामजी लाल और होमगार्ड 383 अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज उरई भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।
जमीन पर कब्जे को लेकर ग्रामीण परिवार ने लगाई न्याय की गुहार, दबंगों पर धमकाने का आरोप



(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। जनपद जालौन के एक गांव निवासी परिवार ने कुछ लोगों पर जमीन को लेकर परेशान करने, धमकाने और गाली-गलौज करने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर दिए गए शिकायती पत्र की प्रतियां सामने आई हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक उनका परिवार लंबे समय से गांव में निवास कर रहा है। आरोप है कि करीब 50 वर्ष पूर्व गांव के जिम्मेदार लोगों द्वारा जमीन उपलब्ध कराए जाने के बाद परिवार वहां कच्चे-पक्के मकान बनाकर रह रहा है। शिकायत में दावा किया गया है कि मौके पर सड़क, नाली और बिजली की सुविधा भी मौजूद है तथा परिवार के कुछ सदस्यों को सरकारी आवास योजना का लाभ भी मिला है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बावजूद कुछ लोग जमीन को लेकर परिवार पर दबाव बना रहे हैं। आरोप है कि विरोध करने पर धमकी देने के साथ गाली-गलौज की जाती है और परिवार को कई बार परेशान किया जा चुका है। पीड़ित परिवार ने अधिकारियों से पूरे मामले की जांच करार कर आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने तथा परिवार को सुरक्षा दिलाए जाने की मांग की है। अब देखना है कि शिकायत पर संबंधित प्रशासन की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर पलटा आलू से लदा ट्रक, चालक-कंडक्टर घायल

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर सोमवार को आलू से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना में ट्रक चालक और कंडक्टर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज कराया गया। बताया जा रहा है कि ट्रक आलू लेकर एक्सप्रेसवे से गुजर रहा था, तभी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रक में लदा आलू सड़क पर बिखर गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और यातायात व्यवस्था को सुचारु कराया। हादसा किस कारण हुआ, इसकी जांच की जा रही है।





